



हिन्दी दैनिक

बुद्ध का संदेश

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बारांकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद,
बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।



मंगलवार, 15 फरवरी 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण

www.budhakasandesh.com

वर्ष: 09 अंक: 57 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड—SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड—133569 | सम्पादक: राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

किसानों से एक साल तक छ मोदी ने नहीं की बात, रविदास जयंती पर सियासी संग्राम, ओबीसी वर्ग को राहुल बोले- गलती मानने के बाद भी नहीं दिया मुआवजा साधने में जुटी पाटियां, कांग्रेस-बीजेपी हुई आमने-सामने

होशियारपुर। पंजाब में विध सरकार चलाएंगे। देश के हर किसान दुकानदार और आम लोग आनंदमा चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान मचा दुआ है। इसी बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को होशियारपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षीयों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पंजाब का चुनाव

कोई मासूली चुनाव नहीं है बल्कि एक प्रदेश में बोरेजगारी फैल रही है। इसमें आपको नई सरकार चुननी है। व्यक्तिके नरेंद्र मोदी सरकार ने है। हमने कुछ वक्त पहल आपको छोटे व्यापारियों, किसानों पर एक नया मुख्यमंत्री दिया। उन्होंने आक्रमण किया। यह आक्रमण कहा कि चरणजीत सिंह चन्नी उस वक्त शुरू हुआ जब नरेंद्र गरीब घर के बेटे हैं और वो मोदी जी ने नोटबंदी का ऐलान गरीबी को गहराई से समझते हैं। किया था। कांग्रेस नेता ने कहा चन्नी जब सरकार चलाएंगे तो कि नोटबंदी के दोसान लगी लड़ी अरबपतियों की नहीं बल्कि गरीबों कतारों में किसी ने अरबपतियों की, छोटे व्यापारियों इत्यादि की को देखा। उसमें छोटे व्यापारी,

प्रमोद सावंत का दावा, गोवा विधानसभा चुनाव में भारी मतों से जीतेगी भाजपा, पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

पणजी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोमवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य की 40 सदस्यीय विधानसभा की 22 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। सावंत



ने कहा कि यदि तटीय राज्य में उनकी पार्टी सरकार बनाती है, तो वह शीर्ष पट पर बैठेंगे। गोवा विधानसभा की 40 सीटों पर चुनाव के लिए मतदान सोमवार को सुबह आरंभ हो गया। चुनाव में 301 उम्मीदवार भाग्य आजमा रहे हैं। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि तटीय राज्य में एक चरण में हो रहे चुनाव के तहत मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और यह शाम छह बजे तक जारी रहेगा। सुबह नौ बजे तक राज्य में 11.4 फीसदी मतदान हुआ। उत्तरी गोवा जिले में संखालिम निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर बात की और विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। संखालिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे सावंत ने 'पीटीआई भाषा' से कहा, 'प्रधानमंत्री ने मतदान के दिन मुझे और सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं और अपना आशीर्वाद देने के लिए सुबह करीब सात बजे मुझे फोन किया।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का फोन आने से भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में उनकी पार्टी 22 से अधिक सीट पर जीत हासिल करेगी। यह पूछे जाने पर कि यदि भाजपा की जीत होती है, तो क्या वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे, सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी के राज्यपाल पीएम इंदिरा गांधी के निर्वाचन आयोग ने बताया कि राज्यपाल पीएम इंदिरा गांधी के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। संखालिम निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान सोमवार को सुबह आरंभ हो गया। चुनाव में 301 उम्मीदवार भाग्य आजमा रहे हैं। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि तटीय राज्य में एक चरण में हो रहे चुनाव के तहत मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और यह शाम छह बजे तक जारी रहेगा। सुबह नौ बजे तक राज्य में 11.4 फीसदी मतदान हुआ। उत्तरी गोवा जिले में संखालिम निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर बात की और विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। संखालिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे सावंत ने 'पीटीआई भाषा' से कहा, 'प्रधानमंत्री ने मतदान के दिन मुझे और सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं और अपना आशीर्वाद देने के लिए सुबह करीब सात बजे मुझे फोन किया।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का फोन आने से भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में उनकी पार्टी 22 से अधिक सीट पर जीत हासिल करेगी। यह पूछे जाने पर कि यदि भाजपा की जीत होती है, तो क्या वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे, सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी के राज्यपाल पीएम इंदिरा गांधी के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। संखालिम निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान सोमवार को सुबह आरंभ हो गया। चुनाव में 301 उम्मीदवार भाग्य आजमा रहे हैं। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि तटीय राज्य में एक चरण में हो रहे चुनाव के तहत मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और यह शाम छह बजे तक जारी रहेगा। सुबह नौ बजे तक राज्य में 11.4 फीसदी मतदान हुआ। उत्तरी गोवा जिले में संखालिम निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर बात की और विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। संखालिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे सावंत ने 'पीटीआई भाषा' से कहा, 'प्रधानमंत्री ने मतदान के दिन मुझे और सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं और अपना आशीर्वाद देने के लिए सुबह करीब सात बजे मुझे फोन किया।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का फोन आने से भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में उनकी पार्टी 22 से अधिक सीट पर जीत हासिल करेगी। यह पूछे जाने पर कि यदि भाजपा की जीत होती है, तो क्या वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे, सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी के राज्यपाल पीएम इंदिरा गांधी के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। संखालिम निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान सोमवार को सुबह आरंभ हो गया। चुनाव में 301 उम्मीदवार भाग्य आजमा रहे हैं। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि तटीय राज्य में एक चरण में हो रहे चुनाव के तहत मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और यह शाम छह बजे तक जारी रहेगा। सुबह नौ बजे तक राज्य में 11.4 फीसदी मतदान हुआ। उत्तरी गोवा जिले में संखालिम निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर बात की और विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। संखालिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे सावंत ने 'पीटीआई भाषा' से कहा, 'प्रधानमंत्री ने मतदान के दिन मुझे और सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं और अपना आशीर्वाद देने के लिए सुबह करीब सात बजे मुझे फोन किया।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का फोन आने से भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में उनकी पार्टी 22 से अधिक सीट पर जीत हासिल करेगी। यह पूछे जाने पर कि यदि भाजपा की जीत होती है, तो क्या वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे, सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी के राज्यपाल पीएम इंदिरा गांधी के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। संखालिम निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान सोमवार को सुबह आरंभ हो गया। चुनाव में 301 उम्मीदवार भाग्य आजमा रहे हैं। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि तटीय राज्य में एक चरण में हो रहे चुनाव के तहत मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और यह शाम छह बजे तक जारी रहेगा। सुबह नौ बजे तक राज्य में 11.4 फीसदी मतदान हुआ। उत्तरी गोवा जिले में संखालिम निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर बात की और विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। संखालिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे सावंत ने 'पीटीआई भाषा' से कहा, 'प्रधानमंत्री ने मतदान के दिन मुझे और सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं और अपना आशीर्वाद देने के लिए सुबह करीब सात बजे मुझे फोन किया।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का फोन आने से भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में उनकी पार्टी 22 से अधिक सीट पर जीत हासिल करेगी। यह पूछे जाने पर कि यदि भाजपा की जीत होती है, तो क्या वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे, सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी के राज्यपाल पीएम इंदिरा गांधी के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। संखालिम निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान सोमवार को सुबह आरंभ हो गया। चुनाव में 301 उम्मीदवार भाग्य आजमा रहे हैं। निर्वाचन अधिकारियों ने बताया कि तटीय राज्य में एक चरण में हो रहे चुनाव के तहत मतदान सुबह सात बजे शुरू हुआ और यह शाम छह बजे तक जारी रहेगा। सुबह नौ बजे तक राज्य में 11.4 फीसदी मतदान हुआ। उत्तरी गोवा जिले में संखालिम निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद सावंत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे फोन पर बात की और विधानसभा चुनाव के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। संखालिम निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे सावंत ने 'पीटीआई भाषा' से कहा, 'प्रधानमंत्री ने मतदान के दिन मुझे और सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं और अपना आशीर्वाद देने के ल

चौपाल के माध्यम से सांसद जगद्विका पाल ने किया अपील भाजपा को करें वोट

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। दुमरियागंज के विधानसभा के खासरा पोखर में सांसद जगद्विका पाल ने वहाँ के प्रत्याशी राघवेंद्र प्रताप सिंह के लिये लोगों से अपील की चौपाल के माध्यम से उन्होंने कहा की पिछली सरकारों में बाढ़ के कारण फसल नष्ट हो जाती थी किसानों को मुआवजा नहीं मिलता था लेकिन आज योगी की सरकार में किसानों को फसल का मुआवजा दिया जा रहा है जब भी आप लोगों ने योगी को आवाज दिया योगी दुमरियागंज आकर खड़े हो जाते थे इस सरकार में जब दुमरियागंज में बाढ़ आई तो आंसू पांछने का काम यदि विधायक राघवेंद्र सिंह ने किया तो आपके बीच योगी आदित्यनाथ भी आकर खड़े हुए यह तभी संभव हुआ जब आप लोगों ने राघवेंद्र सिंह को चुना उक्त बातें सांसद जगद्विका पाल ने चौपाल के माध्यम से लोगों से कहा इस अवसर पर विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह पर्व भाजपा जिला अध्यक्ष नरेंद्र मणि लवकुश औंडा जिला पंचायत सदस्य सबलू साहनी प्रिन्स शर्मा अमरसन्द्र सिंह करिम रिजबी आदि लोग मौजूद थे।



भुगतान के बाद भी नहीं हुआ ग्राम पंचायतों में कार्य

पंकज चौबे /

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी / सिद्धार्थनगर। गांवों

लिए ग्राम पंचायत में मूलभूत राज्यवित्त बोदहवें वित्त व अन्य आला अफसर की मिलीभगत भी कार्य नहीं कराया गया। दर्शना है। बढ़नी विकासखंड ग्राम पंचायत में आज भी मूलभूत समस्या बनी हुई है। जिसके समाधान करने के बजाए सरकारी दान का खुला दुरुपयोग प्रधान के द्वारा किया जा रहा है। जिस पर कोई भी अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। ग्राम पंचायत के प्रधान के द्वारा पंचायती राज अधिनियम को किनारे करते हुए अपने नियम पंचायत में चला



के सर्वांगीन विकास के लिए में राशि आती है, जिससे पंचायत की आवश्यकता अनुसार खर्च बिल लगाकर जनता के विकास के लिए जो राशि आती है वो गया है, ताकि समस्या को गांव के लोग आपस में मिलकर विकासखंड में इस योजना का सुलझा सके और गांवों की छोटी, पैसा विकास के बजाय फर्जी मोटी समस्या को पंचायत के बिल लगाकर किया गया है, प्रधान-सचिव, ग्रामवासी जो सरकार व जनता के पैसे मिलकर दूर कर सकें। इसके ग्राम पंचायत पड़रिया में फर्जी रहे हैं। पंचायत में व्यय करने पंचायती राज का गठन किया जिससे पंचायत की आवश्यकता अनुसार खर्च बिल लगाकर जनता के विकास के लिए जो राशि आती है लेकिन बढ़नी के लिए जो राशि पंचायत पदाधिकारियों के हैं। दरअसल पंचायत भवन में लिए राशि चारोंपाई साक्षित हो रही महिला पुरुष शौचालय निर्माण है। पंचायती राज अधिनियम के के लिए 7 दिसंबर 21 को लक्ष्मी सारे नियम कानून को किनारे एंटरप्राइज एक लाख पैतालीस कर अपना कानून लाला रहे कोई हजार की राशि का भुगतान किया अंकुश लगाने वाले नहीं हैं।

भाजपा कार्यालय पर पुलवामा शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। 14 फरवरी 2019 को जम्मू कश्मीर के पुलवामा



में सीआरपीएफ के काफिले पर आतंकवादियों द्वारा किए गए कायराना हमले में वीरगति को प्राप्त हुए भारती के अमर वीर सपूत्रों को पुलवामा हमले की तीसरी वर्षी पर जनपद मुख्यालय पर कलेक्टर के सामने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आशीष शुक्ला, तेजू विश्वकर्मा, डॉ रामानंद वर्मा, रमेश शुक्ल, अरविन्द दिवेशी, सुरेन्द्र पांडे, अशोक तिवारी आदि मौजूद रहे।

शोहरतगढ़ में 07 तो 15 फरवरी 2022 से 01 का नामांकन खारिज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 के लिए विधानसभा क्षेत्र-(302) शोहरतगढ़ से दुर्गावती जन अधिकार पार्टी, ब्रजवासिनी गिरि निर्दल, राम विनेश निर्दल, निर्दल, किरन निर्दल, इडियन नेशनल लीग पार्टी, रामधारी निर्दल, ललिता देवी, निर्दल, सुरेन्द्र नारायण निर्दल का हो गया। विधानसभा क्षेत्र-(303) कपिलवर्तु (303) से किसी भी प्रत्याशी का नामांकन खारिज नहीं हुआ है। विधानसभा क्षेत्र-(304) बासी से किसी भी प्रत्याशी का नामांकन खारिज नहीं हुआ है। राम भवन लोधी निर्दल द्वारा अपना पर्व वापस ले लिया गया है। विधानसभा क्षेत्र-(305) इटवा से किसी भी प्रत्याशी का नामांकन खारिज नहीं हुआ है विधानसभा क्षेत्र-(306) दुमरियागंज से करीमुल्लाह निर्दल का नामांकन खारिज हो गया है।

मिशन 2022 को मजबूत करें तथा साथी-बनवारी गुप्त भारत

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़ / सिद्धार्थनगर। समाजवादी पार्टी की एक आवश्यक

बैठक नगर पंचायत शोहरतगढ़ में सम्पन्न हुई। बैठक को संबोधित

करते हुए समाजवादी पार्टी के नेता व पूर्व

छात्र संघ अध्यक्ष

बनवारी गुप्त भारत ने

कहा की 2022 का विधानसभा चुनाव एक ऐतिहासिक अवसर है, सभी नवजावान, छात्र,

और व्यापारियों ने यह निर्णय कर लिया है कि 2022 में सभा को

पूर्ण बहुमत में ले कर आ रहे हैं, जल्द ही समाजवादी साथी 5

लोगों की टोलियों में गाँव, गाँव जा कर पूरे जिले समाजवादी पार्टी

के विधानसभा प्रत्याशी जनों का पूरे जारी और शेर से प्रचार का

कार्य करेंगे। बैठक का संचालन कर रहे छात्रसभा जिला सचिव

वकार मोइज खान ने कहा की जनता अब 10 मार्च का बेस्ट्री से

इंतजार कर रही है और समाजवादी पार्टी 300 प्लस सीट जीत

कर कर सरकार बनाने जा रही है। बैठक में प्रिंस, प्रकाश आर्य,

अखिलेश, मो 30 साकिब, एजाज अंसारी, विपिन गुप्ता, सुनील, राघ

शेयाम, राज, जितेंद्र, मोरफीक, सलीम, आदि मौजूद रहे।

कठपुतलियां देंगी पर्यावरण, स्वास्थ्य और कृषि पर जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी / सिद्धार्थनगर। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, भारत सरकार तथा इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड एडवास स्टडीज या नी आईएएस के संयुक्त तत्वावधार में पांच दिवसीय एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न करायी जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी उसका राजा विकास खण्ड दिवस दिया जिहान तकाली ठीक कराने का निर्देश दिया गया। निर्वाचन के दोरान मतदान तत्काल ठीक कराने का निर्देश दीपक मीणा तथा पुलिस अधीक्षक पर विजली, शौचालय, रेस्प, फैसला एवं एडवास स्टडीज या नी आईएएस के संयुक्त तत्वावधार में पांच दिवसीय एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न करायी जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी उसका राजा विकास खण्ड दिवस दिया गया।

कार्यशाला डायट में प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. हंस राज नायक ने बताया कि लोक माध्यमों से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, भारत सरकार तथा इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड एडवास स्टडीज या नी आईएएस के संयुक्त तत्वावधार में पांच दिवसीय एवं भयमुक्त वातावरण में सम्पन्न करायी जाने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी उसका राजा विकास खण्ड दिवस दिया गया। इसमें कठपुतली माध्यम से पर्यावरण, स्वास्थ्य और कृषि संबंधी जानकारी बड़ी ही रोचक और सरल माध्यम से दी जाएगी। पहले प्रतिभागी कार्यशाला में कठपुतली निर्माण और उसका संचालन तथा स्क्रिप्ट राइटिंग और पुलुल नाटक लेखन सीखेंगे। बाद में यही प्रतिभागी जनपद के विभिन्न गांवों में जाकर पर्यावरण, स्वास्थ्य और कृषि संबंधी विषयों पर लोगों को जागरूक करेंगे। कार्यशाला में इन क्षेत्रों के विशेषज्ञ आकर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे। कार्यशाला के पहले दिन पुलुल कला विशेषज्ञ आर्योजन के अंतर्गत जिला निर्वाचन अधिकारी ने गांगांव जिला निर्वाचन अधिकारी को जिला निर्वाचन अधिकारी की अधिकारी नियुक्ति की अपील की जाएगी। इसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ने गांगांव जिला निर्वाचन अधिकारी की अधिकारी नियुक्ति की अपील की जाएगी।

भीमापार में नवनिर्मित श्री हनुमान वितरण का कार्यक्रम सुनिश्चित मंदिर में सोमवार को वैदिक वितरण का कार्यक्रम सुनिश्चित है। दक्षिण भारतीय खानपत्र कला अनुष्ठान के बीच प्रतिमा प्राण वितरण के रूप में सिर्फ हनुमत कृपा का ही री, सुभाष पांडे, संजीव सिंह, योगदान है। उन्होंने कहा कि छोटू चौबे,

सम्पादकीय

ऐसे में किसी भी सरकारी
योजना का लाभ उठाना
इनके लिए खासा मुश्किल
होता है। मौजूदा पहल के
साथ भी यह शर्त रखी गई है
कि इसका लाभ उन्हीं को
मिलेगा जिनके पास
मिनिस्ट्री अध्यक्ष सोशल
जस्टिस एंड एंपावरमेंट की
ओर से जारी टीजी
सर्टिफिकेट है। सरकारी
पोर्टल के माध्यम से ...

अब के सर्दी में गर्मी की धमक

सहीराम

यह दुआ तो नहीं है, लेकिन इच्छा जरूर है कि सर्दी निकल जाए और गर्मी आ जाए। क्योंकि पहाड़ों में अभी बर्फबारी हो रही है और मैदानों में लोग कांप रहे हैं। अब ऊपर वाला तो पता नहीं नीचे वालों की सुनेगा या नहीं, लेकिन इधर नेता लोग गर्मी निकालने की धमकी जरूर दे रहे हैं। ऐसा अगर बिजली ठीक-ठाक दे दोगे तो गर्मी भी निकल ही जाएगी। बेशक वह पंखे, कूलर या एसी से ही निकलेगी। लेकिन निकालने का श्रेय लोग तुम्हें ही देंगे, चिंता न करो। अब पता नहीं नेताओं को गर्मी निकालने की क्या सूझी है। अरे भाई गर्मी भी जरूरी है। गर्मजोशी अगर नहीं होगी तो तुम चुनाव भी कैसे जीतोगे। लोग अगर वोट डालने को लेकर ही ठंडे बने रहे तो बड़ी मुश्किल हो जाएगी यारो। इसलिए गर्मी भी जरूरी है। अब आप ही बताओ कि अगर संबंधों में गर्मी नहीं होगी तो दुनिया का क्या हाल होगा। पहले ही इतनी खुदगर्जी है। क्या इसे और बढ़ाना चाहते हो। प्यार-मोहब्बत बिना गर्मी के नहीं होते यार। ठंडेपन से दूरियां बढ़ती ही हैं। अब किसानों को गालियां देने वालों को यह तो नहीं समझाया जा सकता कि ऐसा गर्मी के बिना फसल पकती नहीं है। गर्मी निकाल दी तो दाने नहीं पड़ेंगे। भाई अगर आप इतने ही दबंग हैं तो अकड़ निकालो, हेकड़ी निकालो, खुदगर्जी निकालो, काइयांपन निकालो, क्षुद्रता निकालो। यार गर्मी क्यों निकाल रहे हो। और अगर गर्मी ही निकालनी है तो दिमाग की निकालो। दिल की क्यों निकालते हो। उसे दिल में रहने दो। दिमाग ठंडा और दिल गर्म रहना ही चाहिए। गर्मी ही निकालनी है तो जुबान की निकालो, जिससे नियंतर गालियां झारती हैं, धमकियां झारती हैं। हाथों की गर्मी भत निकालो जो जब मिलते हैं तो रिश्तों में गर्मी आ जाती है। यार इतनी गर्मी तो इंसान में होनी ही चाहिए न कि यारों से जपिफयां-शपिफयां पास के। अपनों से गले मिल सके। और अगर गर्मी ही निकालनी है तो यार दंगइयों की निकालो, दादाओं और दबंगों की निकालो, हत्यारों और बलात्कारियों की निकालो। लोगों के दिल जलाने वालों की निकालो, बर्सियां जलाने वालों की निकालो। रिश्तों की गर्मी को बख्त दो यार। एक बात सुनो यार, कोरोना महामारी के बुखार की गर्मी तो आप निकाल नहीं पाए। वो जो कई-कई दिनों तक श्मशानों की आग नहीं बुझी थी, चित्ताओं की आग ठंडी नहीं हुयी थी, वह गर्मी तो आप निकाल नहीं पाए और अब आप धमकी दे रहे हो कि गर्मी निकाल देंगे। जब ऑक्सीजन की कमी से लोग जूझ रहे थे और शरीर ठंडे पड़ रहे थे, तो भाई उन्हें गर्मी की ही जरूरत थी, जो आप नहीं दे पाए थे। ऐसी गर्मी क्या निकालनी यार कि आदमी ठंडा होकर लाश बनकर गंगा में तैरता रहे या उसकी मृत देह ठंडी रेत में दफन हो जाए। आदमी ठंडा नहीं होना चाहिए। ठंडा होना मृत्यु होती है।

अभी तक दबाव की राजनीति में सफल रहे सिद्धू ने इस बार मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करने के लिए कांग्रेस आलाकमान पर जो दबाव बनाया, वह उन पर ही भारी पड़ गया। चन्नी के मुख्यमंत्रित्व में चुनाव लड़ते हुए किसी अन्य को चेहरा घोषित करना आत्मघाती होगा यह समझने में कांग्रेस आलाकमान को भी मुश्किल नहीं हुई। चेहरा घोषित किये बिना चुनाव में कांग्रेस को बहुमत ...

राजकुमार सिंह
अभूतपूर्व कोरोना प्रतिबंधों के साथे में हो चुनाव लंबे समय तक याद रहेंगे। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में चुनाव किसी लोक पर्व से अलग नहीं रहे। धर्म-क्षेत्र विशेष के दायरे से चुनाव हर भारतीय की भागीदारी का अत्सव रहे हैं। इसलिए जन साधारण का अत्सव हेखते ही बनता रहा है। इलेक्ट्रॉनिक पोडिया और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव पहले ग्रामीण क्षेत्रों में तो चुनाव प्रचार कोरसी दीर्घकालीन मेले जैसा ही नजर आता हा, पर इस बार सब कुछ बदला—बदला गया है। सभाओं में उपस्थिति की संख्या लिमिट है तो घर—घर जन संपर्क का मेलसिला अरसे बाद लौटा है। चुनाव गार्डक्रम की घोषणा के समय तेज रफतार बढ़ते कोरोना केस, अब आंकड़ों में तो होते नजर आ रहे हैं। इसे सहस्र हिए या दुस्साहस— तेजी से खुलते नहान के बीच लोगों में कोरोना से जान का खतरा भी कम होता नजर आ रहा है। सात उपर्याएँ में मतदान ताले उन्नर प्रदेश में पड़ते चरण में मतदान का अच्छा प्रतिशत बताता है। तमाम तरह के प्रतिबंधों चुनाव प्रचार राजनीतिक दलों—प्रकार के लिए किसी अग्निपरीक्षा से बच रहा। यह अलग बात है कि राजनीति आरोप—प्रत्यारोप और अमर्यादित चिर—परिचित खेल इस बीच भी जारी है। शायद इसलिए भी कि ऐसे से असल मुद्दों से ध्यान हटाने मिलती है। बेशक छोटे राज्यों उमणिपुर और गोवा के लिए भी विचुनाव समान रूप से महत्वपूर्ण है। राज्यों की राजनीति अंतर्राजनीति भी तय करती है। इसनीलिए प्रदेश और पंजाब सरीखे बड़े राज्यों नासभा चुनाव की चर्चा कुछ जल्दी से देश का सबसे बड़ा राज्य है। माना जाता है कि देश की सत्ता वित्ती उत्तर प्रदेश से निकलता है। उत्तर प्रदेश को सबसे ज्यादा प्रधानमंत्री ननरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को कॉट में लगातार उत्तर प्रदेशी बाहर

यही योग्यों नहीं तेक का स्तरूर उन्हें दद विंड, नभा केन की ज्ञात्तर विधि है। दू दृलेए स्तता ने हैं। कार कुद करने में भी उत्तर प्रदेश की निर्णयक भूमिका रही है। इसलिए स्वाभाविक ही उत्तर प्रदेश में चुनाव से प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष जुड़ी हर गतिविधि पर देश ही नहीं, दुनिया की भी नजरें लगी हैं। पिछली बार 300 से भी ज्यादा सीटें जीत कर उत्तर प्रदेश में बनी योगी आदित्यनाथ सरकार को इस बार कड़ी चुनावी चुनौती मिल रही है क्यूंकि बात भाजपा नेता भी निजी बातचीत में स्वीकारते हैं। पिछली बार दो लड़कों (अखिलेश यादव-राहुल गांधी) की जोड़ी भाजपा का विजय रथ रोकने में नाकाम रही थी। इस बार अखिलेश यादव-जयंत चौधरी के रूप में दो लड़कों की नयी जोड़ी भाजपा से मुकाबिल है। बेशक इस सपा-रालोद गठबंधन में अन्य छोटे दल भी शामिल हैं, लेकिन भाजपाई रणनीतिकारों के पसीने ये दो लड़के ही छुड़ा रहे हैं। वजह भी साफ है रु 10 फरवरी को पहले चरण में जिन 58 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ है, उनमें से भाजपा ने पिछली बार 53 सीटें जीती थीं। कारण था रु 2013 के मुजफ्फरनगर दंगों के बाद प्रधानमंत्री न्यूटन स्किल्स समीकरण

ਟ੍ਰਾਂਸਗੋਡਰ ਤਕ ਪਹੁੰਚੋ

है। ऐसे में अगर सरकार ऐसी कोई पहल करती है, जिससे इस समुदाय के लोगों की स्वास्थ्य सुविधाओं तक आसान पहुंच सुनिश्चित हो और वे पढ़ाई करके योग्यता के अनुरूप रोजगार हासिल कर सकें तो इससे अच्छी बात दूसरी नहीं हो सकती। लेकिन वास्तव में इन योजनाओं का लाभ इस समुदाय के सभी लोगों तक पहुंचाना कितना मुश्किल है, इसका अंदाजा लॉकडाउन के दौरान मिले अनुभव से होता है। उस दौरान सरकार ने घोषणा की थी कि ट्रांसजेंडर समुदाय के हर व्यक्ति के खाते में 1500 रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर किए जाएंगे। गौरतलब है कि लाखों की संख्या में होने के बावजूद तब मात्र 5,711 ट्रांसजेंडर्स को रकम भेजी जा सकी। वजह यही रही कि इस समुदाय के ज्यादातर लोगों के पास न तो किसी तरह का सर्टिफिकेट है, न बैंक अकाउंट। ऐसे में किसी भी सरकारी योजना का लाभ उठाना इनके लिए खासा मुश्किल होता है। मौजूदा पहल के साथ भी यह शर्त रखी गई है कि इसका लाभ उन्हीं को मिलेगा जिनके पास मिनिस्ट्री ऑफ सोशल जस्टिस एंड एंपावरमेंट की ओर से जारी टीजी सर्टिफिकेट है। सरकारी पोर्टल के माध्यम से अब तक दिए गए टीजी सर्टिफिकेट की बात करें तो यह संख्या है 4,921 मात्र। साफ है कि योजना कागजी या नाम मात्र की बनकर न रह जाए, इसके लिए समुदाय के सभी लोगों तक पहुंचने या उन्हें इससे जोड़ने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करने होंगे।

बहुमत के तर्क और लोकतात्त्विक मूल्य

संसद जनतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है। उसकी महत्ता और पवित्रता की रक्षा करना जनतंत्र के हर नागरिक का कर्तव्य है। सांसदों का दायित्व और ज्यादा होता है। संसद में होने वाली एक बहस के दौरान राजा गोपालाचारी के वक्तव्य का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री नेहरू ने कहा था, श्मेरे साथ बहुमत है। इस पर राजा जी ने कहा, श्पर तर्क मेरे साथ है। बहुमत का आदर होना चाहिए, पर बहुमत के नाम पर ...

विश्वनाथ सचदेव

हमारी जनतांत्रिक व्यवस्था में सरकार भले ही प्रधानमंत्री चलाते हों, पर कहलाते वह राष्ट्रपति की ही सरकार है। इसीलिए जब राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों व संबोधित करते हुए अपना अभिभाषण देते तो सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए यही कहते हैं कि श्वेती सरकार ये न यह—यह कियाकृ फिर भले ही वे सरकार के किसी रूप से सहमत हों या न हों। राष्ट्रपति व इस बार के अभिभाषण में भी यही गिनाया गया कि सरकार ने क्या—क्या किया है और यह भाषण पढ़ भले ही राष्ट्रपति रहे हो पर उसके हर शब्द पर सरकार की स्थीरता ति होती है।

फिर संसद में दोनों सदनों में इस प्रबल बहस होती है, जिसे राष्ट्रपति के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव के रूप में रखा जाता है। यह प्रस्ताव तो पारित होना है होता है, पर विपक्ष को अवसर अवश्य मिल जाता है सरकार के कार्यों की आलोचना करने का। अवसर सरकारी पक्ष को विलगता है अपनी बात रखने का, विपक्ष व आलोचना का जवाब देने का। स्पष्ट है एक गम्भीर बहस का अवसर होता है यह पर अक्सर देखा गया है कि संसद में इस अवसर का समुचित उपयोग नहीं होता है निस्संदेह कुछ भाषण बहुत अच्छे होते हैं पर जयादातर भाषण आरोपों—प्रत्यारोपों व बलि चढ़ जाते हैं। बहरहाल राष्ट्रपति द

अभिभाषण पर धन्यवाद—प्रस्ताव पर हुई बहस में भी कुछ बातें सचमुच रेखांकित किये जाने लायक हैं। इनमें से एक कांग्रेस के नेता राहुल गांधी का वक्तव्य भी है। राहुल बहुत अच्छे वक्ता नहीं माने जाते, पर शदै भारतवाला उनका यह भाषण निश्चित रूप से ध्यान आकर्षित करने वाला था। यह तथ्य अपने आप में भयावह है कि स्वतंत्रता के इस कथित शमृत—कालय में देश की अधिसंख्य आबादी गरीबी का जीवन जी रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश के लगभग साढ़े आठ करोड़ नागरिक घोर गरीबी में जीते हैं। 15 करोड़ और भारतीयों जाएंगे। इसके बरक्स देश में अरबपतियों की संख्या में वृद्धि आर्थिक विषमता की बढ़ती खाई की भयावहता ही उजागर करती है। देश में शीर्ष के दस प्रतिशत लोगों के पास आज जितनी सम्पत्ति है उतनी देश की आधी आबादी की कुल सम्पत्ति भी नहीं है यही है वे दो भारत, जिनके बीच की खाई को पाटना जरूरी है और यह काम नहीं हो रहा। इसका गम्भीरतापूर्वक अद्ययन होना चाहिए। बहुत पुरानी बीमारी है यह आर्थिक विषमता। वर्ष 1963 में, यानी आज से आपनी सदी पहले भी हमारी संसद में इस विषय को लेकर बहस हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल ने हरु की सुरक्षा—व्यवस्था पर 25 हजार रुपये प्रतिदिन खर्च होने का सवाल उठाते हुए समाजवादी

आना सवाल गया न आय रकारी शा का —बसर तरकार ने की हमारी फ व्यय ए बहस गम्भीर चिंतन—मनन कर सकते हैं। पर, दुर्भाग्य से, अक्सर ऐसा होता नहीं। अक्सर अनावश्यक आरोप—प्रत्यारोप बहस पर हावी हो जाते हैं। इस मौके पर जिस गम्भीरता की आवश्यकता होती है, अक्सर उसका अभाव दिखता—खलता है। उस दिन लोकसभा में धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस के दौरान एक स्थिति तो ऐसी भी आयी जब कोरम का खतरा उत्पन्न हो गया था। यह चिंता की बात है। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई बहस को विपक्ष और सत्तारूढ़ पक्ष दोनों को गम्भीरता से लेना होगा। सत्तारूढ़ पक्ष को यह तो दिख गया कि श्दो भारतव्य की बात

मेभाषण उठाने वाला प्रधानमंत्री के उत्तर को सुनने लोचना के लिए उपस्थित नहीं था।
उरलाला संसद जनतंत्र का सबसे बड़ा मंदिर है।

संसद जनतंत्र का सबसे बड़ा नादर ह। उसकी महत्ता और पवित्रता की रक्षा करना जनतंत्र के हर नागरिक का कर्तव्य है। सांसदों का दायित्व और ज़्यादा होता है। संसद में होने वाली एक बहस के दौरान राजा गोपालाचारी के वक्तव्य का उत्तर देते हुए प्रधानमंत्री नेहरू ने कहा था, श्मेरे साथ बहुमत है। इस पर राजा जी ने कहा, श्पर तर्क मेरे साथ है। बहुमत का आदर होना चाहिए, पर बहुमत के नाम पर तार्किकता को अनावश्यक मानना भी तो गलत है। मात्र बहुमत कुछ भी कहने-करने का अधिकार नहीं देता। इसलिए, सरकारी पक्ष को विपक्ष के प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए।

इस बार आसान नहीं चुनावी डगर

का टूट जाना। दंगों के बाद हुए धृवीकरण से नलकूप सूख गया और साइकिल पंचर हो गयी—सिर्फ कमल खिला, और खबू खिला। पहले चरण का मतदान हो चुका है। मतगणना तो 10 मार्च को होगी, लेकिन उससे पहले भी यह बात दावे से कही जा सकती है कि 2017 के चुनाव परिणामों की पुनरावृत्ति इन सीटों पर हरगिज नहीं होने जा रही। यह उत्तर प्रदेश की चुनावी विंते का ही परिणाम था कि मजबूत प्रधानमंत्री की छवि वाले नरेंद्र मोदी देश से क्षमा याचना सहित तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों वापस लेने को बाध्य हुए, क्योंकि दिल्ली की दहलीज पर साल भर चले किसान आंदोलन में पंजाब और हरियाणा के बाद सबसे बड़े और मुख्य भागीदारी पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ही थी। साल भर बाद तीन कृषि कानूनों की वापसी से भी भाजपा को वांछित राजनीतिक लाभ नहीं मिलाकृइसका संकेत चुनाव प्रचार के बीच भी जयंत चौधरी पर डोरे डालने तथा मतदाताओं को बार-बार दंगों की याद दिलाने से मिल जाता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ही 55 विधानसभा सीटों पर 14 फरवरी को मतदान होना है, कुल मिला कर पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ऐ 103 सीटें शेष पांच चरणों के मतदान की दिशा भी तय कर सकती हैं। अगर किसान आंदोलन से जाट-मुस्लिम विभाजन की खाई पटी है और सवालिया निशानों वाले अतीत के बावजूद अखिलेश, जयंत के साथ मिलकर दो लड़कों की छवि से निकल कर विश्वसनीय विकल्प का विश्वास मतदाताओं में जगाने में सफल रहे हैं तो तय मानिए कि उत्तर प्रदेश की सत्ता का सूर्य इस बार पश्चिम से ही उदय होगा। बेशक अंतिम परिणाम 10 मार्च को ही पता चलेंगे, लेकिन अगर इन 103 सीटों पर भाजपा आधी ही

बाल रुखे और बेजान हो गए हैं तो इन कंडीशनर का करें इस्तेमाल, आसान हैं बनाना

बालों को बार-बार धोना और हेयर स्टाइलिंग उत्पादों का इस्तेमाल आदि कारणों से बाल रुखे और बेजान नजर आने लगते हैं। वहीं, सर्दियों में इस समस्या से अधिक दो चार होना पड़ता है क्योंकि ठंडी हवाओं बालों की नमी छिनकर उन्हें रुखा और बेजान बन देती हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे कंडीशनर बनाने का तरीका बताते हैं, जिनका इस्तेमाल रुखे बालों को नमी प्रदान करने के साथ ही पोषित करने का काम कर सकता है।

जैतून का तेल, शहद और सेब के सिरके का कंडीशनर

इसके लिए पहले एक कटोरी में एक चम्मच जैतून का तेल, एक चम्मच शहद और आधा चम्मच सेब का सिरका मिलाएं, फिर इस मिश्रण को बालों पर लगाएं। आधे घंटे के बाद सिर माइल्ड शैंपू और पानी से धो लें। जैतून के तेल में उच्च मॉइश्चराइजिंग गुण होते हैं, जो रुखे और बेजान बालों को ठीक कर सकते हैं। वहीं, शहद एंटीऑक्सीडेंट गुण से भरपूर होता है। इसके अलावा, सेब का सिरका बालों को झड़ने से रोक सकता है।

अंडे की जर्दी का कंडीशनर

अंडे की जर्दी प्रोटीन से युक्त होती है, जो बालों को पोषण देने में मदद कर सकती है। इसके लिए पहले एक कटोरी में दो अंडे की जर्दी को चम्मच की मदद से अच्छी तरह फेंटे लें, फिर इसमें एक बड़ी चम्मच जैतून का तेल मिलाएं। अब इस मिश्रण को अपने बालों में लगाएं और 10 मिनट के बाद सिर को सामान्य पानी से धो लें। आप चाहें तो सिर धोते समय माइल्ड शैंपू का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

केले से बना कंडीशनर

सबसे पहले एक मध्यम आकार के कटोरे में एक केले को अच्छे से मैश कर लें, फिर कटोरे में एक बड़ी चम्मच शहद और दो बड़ी चम्मच जैतून का तेल डालकर अच्छे से मिला लें। अब इस मिश्रण को सिर पर लगाएं और शॉवर के पहले पानी से धो लें। इसके बाद यह मिश्रण बालों से पूरी तरह निकल जाए तो उसको माइल्ड शैंपू से धो लें।

योगर्ट और शहद का कंडीशनर

इसके लिए पहले एक कटोरी में आधा कप योगर्ट, एक बड़ी चम्मच शहद, एक चम्मच नारियल का तेल और आर्गन ऑयल की कुछ बूंदें अच्छे से मिलाएं। ध्यान रखें कि योगर्ट बिना फलेवर वाला होना चाहिए। अब इस मिश्रण को अपने बालों में लगाकर शॉवर के पहले पानी से धो लें। अगर आप डैंफ्रूक से छुटकारा और बालों में चमक लाना चाहते हैं तो यह कंडीशनर आपके लिए बेहतरीन है।

आलिया की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को मिल यह ए सर्टिफिकेट, दो सीन कटे



आलिया भट्ट पिछले काफी समय से फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को लेकर सुर्खियों में है। इस फिल्म के ट्रेलर में उनका अंदाज और अभिनय दर्शकों को बेहद प्रसंद आया है। अब एक बार फिर आलिया अपने एक अनदेखे अवतार से दर्शकों को चौंकाने वाली है। गंगूबाई काठियावाड़ी रिलीज से पहले भी खूब चर्चा में है। संजय लीला भसाली फिल्म की निर्देशन में वनी इस फिल्म को अब यह ए सर्टिफिकेट मिल गया है। गंगूबाई काठियावाड़ी को सेंसर बोर्ड ने यह सर्टिफिकेट दिया है। बोर्ड ने फिल्म के कुछ दृश्यों पर कौंकी भी चार्लाई है। फिल्म में चार सीन पर कौंकी चली है, जिसमें दो सीन डिलीट किए गए हैं। साथ ही दो डायलॉग्स में शब्दों को बदला गया है। फिल्म की लंबाई में एक या दो मिनट घटाए गए हैं। फिल्म में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को गंगूबाई पर गुलाब लगाते हुए दिखाने वाले सीन को भी बदला गया है।

गंगूबाई काठियावाड़ी, गंगूबाई हरजीवनदास की असल जिंदगी पर आधारित है, जिसे किताब माफिया थीन ऑफ मुंबई से उठाया गया है। काठियावाड़ी की एक साधारण सी लड़की के गंगूबाई बन जाती है, यह फिल्म में दिखाया जाएगा। वो लड़की, जो सबसे लड़ सकती है, लेकिन अपने बिस्त से नहीं हालांकि, वह हालातों से हार नहीं मानती। फिल्म में गंगूबाई की जिंदगी से जुड़े तमाक पहले देखने को मिलेंगे। इसमें आलिया, गंगूबाई बनी हैं। फिल्म 25 फरवरी को रिलीज हो रही है।

आलिया से पहले विद्या बालन ने बेगम जान में वेश्यालय की मालकिन का रोल निभाया था। अद्वा कपूर फिल्म हसीना पारकर में माफिया थीन बनी थीं। अभिनेत्री सीमा विश्वास सलालों पहले फिल्म बैंडिट थीन में माफिया डॉन रहीं फूलन देवी का किरदार निभा चुकी हैं। मुंबई अंडरवर्ल्ड की दुनिया में गंगूबाई ऐसा नाम रहा है, जिसके कारों पर बिना उसकी मर्जी के बड़े-बड़े गैंगस्टर भी कदम नहीं रखते थे। वह सेक्स वर्करों के हित में काम करती थी और उनके लिए थी। धोखे और शोषण ने उसकी मासूमियत छीन ली। उसके भीतर एक गुवार भर दिया। देखते ही देखते गुजरात की गंगा हरजीवनदास मुंबई के सबसे नामदान वेश्यालय की मालकिन गंगूबाई बन गई, यह ना उसे पता चला और न ही पुलिस को।

आलिया की फिल्म आरआरआर से साउथ इंडिया के कदम रखने वाली है। उन्हें निर्देशक अयान मुखर्जी की फिल्म ब्रह्मस्त्र में एक बोली कपूर के साथ देखा जाएगा। आलिया करण जौहर की फिल्म तरत में भी एक अहम भूमिका निभाएंगी। वह शाहरुख खान के होम प्रोडक्शन में बन रही फिल्म डार्लिंग का हिस्सा है। इससे पहले दोनों डिपर जिंदगी में साथ काम कर चुके हैं। करण जौहर की रोमांटिक फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में भी आलिया अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगी।

रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा की रिलीज डेट का ऐलान



रणबीर कपूर की फिल्म शमशेरा काफी समय से सुर्खियों में है। इसमें उन्हें एक ऐसे अवतार में देखा जाएगा, जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। पिछले काफी समय से दर्शक यह जानने को बेताव थे फिल्म रिलीज कब होगी। अब आखिरकार दर्शकों का यह इंतजार खत्म हो गया है। दरअसल, फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है और यह भी साफ हो गया है कि फिल्म क्लिपर्स पर आएंगी।

यशराज बैनर तले बनी शमशेरा दर्शकों के बीच दस्तक देने के लिए तैयार है। प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पर आज इसका टीजर जारी करते हुए इसकी रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। नई जानकारी के मुताबिक, फिल्म इस साल 22 जुलाई को रिलीज होगी, जबकि पहले खबर थी कि शमशेरा 18 मार्च को पर्दे पर आएंगी। अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। साथ ही यह भी बताया गया है कि फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रणबीर कपूर की रिलीज डेट का जितना जानना चाहिए। यशराज बैनर के जन्मदिन पर यशराज फिल्म्स ने एक पोर्टर साड़ा किया था, जिसमें एकटर के लंबे बाल और आंखों में गुस्सा नजर आ रहा था। यशराज ने रणबीर का नया लुक शेयर कर लिखा था, लेकिन उनके एक बोली जो डॉन रहीं फूलन देवी का किरदार नहीं रखते थे। वह सेक्स वर्करों के हित में काम करती थी और उनके लिए थी। धोखे और शोषण ने उसकी मासूमियत छीन ली। उसके भीतर एक गुवार भर दिया। देखते ही देखते गुजरात की गंगा हरजीवनदास मुंबई के सबसे नामदान वेश्यालय की मालकिन गंगूबाई बन गई, यह ना उसे पता चला और न ही पुलिस को।

यशराज फिल्म्स के साथ रणबीर पहले भी काम कर चुके हैं। इस बैनर के साथ शमशेरा रणबीर की तीसरी फिल्म है। इससे पहले वह फिल्म बचना ऐ हसीनों और फिल्म रॉकेट सिंहरू सेल्समैन ऑफ द ईंगर के लिए यशराज के साथ जुड़ चुके हैं।

फिल्म में जबरदस्त एकवन देखने को मिलेगा। वाणी कपूर और संजय दत्त भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। वाणी एक नर्तकी की भूमिका में हैं, जो शमशेरा की प्रेमिका है और संजय दत्त भी इसमें विलेन बने हैं। इस फिल्म का निर्देशन करण मल्होत्रा ने किया है। यह फिल्म 1800 के दशक की एक डिकैट जनजाति के बारे में है, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ अपने अधिकारों और स्वतंत्रता की लड़ाई में हिस्सा लिया था।

ब्रह्मस्त्र रणबीर की आगामी बहुचर्चित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में रणबीर की हिस्सा है। अभिनाश बच्चन और मौजूदगी दर्ज कराएंगे। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर, रणबीर की जोड़ीदार बनी हैं। रणबीर गेंगस्टर ड्रामा फिल्म एनिमल से भी जुड़े हैं। इसमें उनकी जोड़ी परिणीत चोपड़ा के साथ बनी है। संदीप सिंह वांगा इस फिल्म के निर्देशक हैं।

सुपर मार्केट से जुड़े इन भ्रमों को सही मानते हैं लोग, जानिए इनकी सच्चाई



घर का राशन खरीदना हो या फिर फल और सब्जियां, सुपर मार्केट एक ऐसा बन स्टॉप है, जहां आपको कई तरह की चीजें सही दाम में मिल सकती हैं। हालांकि जैसे-जैसे सुपर मार्केट में तरह-तरह की चीजों की वैरायटी बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे लोगों के मन में इससे जुड़े कई भ्रम होते हैं। लेकिन इनकी सच्चाई कुछ अलग ही है। आइए सुपर मार्केट से जुड़े कुछ सामान्य भ्रमों और उनकी सच्चाई जानते हैं।

भ्रम- थोक में सामान लेना सस्ता पड़ता है।